

आइआइएम इंदौर ने दो त्रि-पक्षीय एमओयू पर किए हस्ताक्षर

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिसर्च की दिशा में बड़े कदम

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइएम इंदौर ने दो महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर बुधवार को हस्ताक्षर किए। यह एमओयू अकादमिक एक्सीलेंस को बढ़ावा देने, अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिसर्च को प्रेरित करने की दिशा में बड़ा कदम है।

पहला एमओयू आइआइएम इंदौर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और यूनिवर्सिटी ऑफ डेनवर के बीच हुआ। आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय, डीयू की प्रोवोस्ट प्रो. मैरी क्लार्क और एग्जीक्यूटिव वाइस चांसलर के साथ आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने हस्ताक्षर किए।



प्रो. राय ने कहा कि दोनों संस्थान पहले से ही मास्टर ऑफ साइंस इन डाटा साइंस एंड मैनेजमेंट कोर्स की पेशकश कर रहे हैं। वर्तमान त्रि-पक्षीय सहयोग महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। यह सहयोग संयुक्त कार्यक्रमों की पेशकश करने प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए तीन प्रतिष्ठित संस्थानों की विशेषज्ञता को मिश्रित करता है। प्रो. क्लार्क ने कहा कि जॉइंट रिसर्च, स्टूडेंट एक्सचेंज

और सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से हमारा लक्ष्य जीवंत शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। आइआइटी इंदौर और आइआइएम इंदौर की संयुक्त विशेषज्ञता से विद्यार्थियों की शैक्षणिक और व्यावसायिक समझ में वृद्धि होगी। प्रो. जोशी ने कहा कि यह सहयोग वैश्विक चुनौतियों से निपटने और रिसर्च को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने में अंतर-विषयक सहयोग के महत्व को रेखांकित करता है।

नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

दूसरा एमओयू आइआइएम इंदौर, एम्स भोपाल और यूनिवर्सिटी डेनवर के बीच हुआ। इस पर आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. राय, प्रो. क्लार्क और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एम्स प्रो. डॉ. अजय सिंह भोपाल ने हस्ताक्षर किए। प्रो. राय ने कहा कि यह साझेदारी अनुसंधान में नवाचार को बढ़ावा देने का अवसर है। एम्स भोपाल के साथ जुड़कर हम प्रबंधन और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में रिसर्च करने के लिए तैयार हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि यह साझेदारी न केवल अकादमिक सहयोग को मजबूत करती है, बल्कि अकादमिक और चिकित्सा क्षेत्रों में नवाचार को भी बढ़ावा देती है। मालूम हो, ये दोनों एमओयू पांच साल के लिए वैध हैं।